कभी सँवारे तू मेरे घर में आ जाना

कभी सँवारे तू मेरे घर में आ जाना,
मगर आना इस तरह तू के यहाँ से फिर न जाना,

तू मेरी धड़कने तू मेरी सांस है,
हर घडी नजरो को तेरी ही प्यास है,
तू ही मेरे मन में है,
तू ही मेरे तन में है,
जब से तुझको जाना है मैंने अपना माना है,
मगर आना इस तरह से तू फिर यहाँ से ना जाना,
कभी सँवारे तू मेरे घर में आ जाना,

आस तू जिंदगी की मेरे सँवारे,
लिख दिए जिंदगी बस तेरे नाम है,
तू ही मेरी आँखे है सुनी तन्हा राहो में,
चाहे जितनी दुरी हो तुम हो मेरी रहो में,
मगर आना इस तरह से तू फिर यहाँ से ना जाना,
कभी सँवारे तू मेरे घर में आ जाना,

तू नहीं है मगर फिर भी तू पास है,
बात हो कोई भी तेरी ही बात है,
तू ही मेरे अंदर तू ही मेरे बहार है,
जब से तुझको जाना है मैंने अपना माना है,
मगर आना इस तरह से तू फिर यहाँ से ना जाना,
कभी सँवारे तू मेरे घर में आ जाना,

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/11283/title/kabhi-sanware-tu-mere-ghar-me-aa-janaa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |